चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	14.7.22	4	5,6

पौधारोपण करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

स्वच्छ पर्यावरण के लिए पौधारोपण जरूरी : कुलपति

हिसार, 13 जुलाई (ब्यूरो): ग्लोबल वार्मिंग तथा वायु प्रदूषण की समस्याओं से निजात पाने के लिए पौधारोपण अति आवश्यक है।

यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बतौर मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में वनमहोत्सव का शुभारंभ करते हुए कही।

उन्होंने कहा पौधारोपण करते समय हमें भवनों व संस्थानों के लैंडस्केप के अनुकूल देशज प्रजातियों के बहु-उद्देशीय पौधों का चयन करना चाहिए तथा महत्वपूर्ण अवसरों पर अवश्य पौधारोपण करना चाहिए।

कृषि महाविद्यालय के डीन डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि महाविद्यालय परिसर में 200 पौधे रोपित किए गए। भविष्य में भी पौधारोपण कार्यक्रम जारी रहेगा और विभिन्न चरणों में करीब 1500 पौधे रोपे जाएंगे।

पौधरोपण चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	15.7.22	10	4-8

आयोजन कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय की लैंडस्केप इकाई के सहयोग से किया

महत्वपूर्ण अवसरों पर अवश्य पौधरोपण करने के लिए प्रेरित किया गया

ग्लोबल वार्मिंग तथा वायु प्रदूषण से निजात पाने के लिए पौधरोपण अति आवश्यक : कुलपति

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

ग्लोबल वार्मिंग तथा वायु प्रदूषण की समस्याओं से निजात पाने के लिए पौधरोपण अति आवश्यक है। पौधरोपण से न केवल इन समस्याओं का समाधान होगा अपितु इससे पशुओं के लिए चारा, इमारती व ईंधन के लिए लकड़ी के साथ-साथ भूमि की गुणवत्ता सुधारने में भी मदद मिलेगी।

यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बतौर मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में वनमहोत्सव का शुभारंभ करते हुए कही। उन्होंने महाविद्यालय के लॉन में अमलतास का पौधा रोपित किया। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय की लैंडस्केप इकाई के सहयोग से किया गया था। उन्होंने कहा पौधरोपण करते समय हमें भवनों व संस्थानों के लैंडस्केप के अनुकूल देशज प्रजातियों के बहु-उद्देशीय पौधों का चयन करना चाहिए तथा महत्वपूर्ण अवसरों पर अवश्य पौधरोपण करना चाहिए। इससे लोगों में वृक्षों के प्रति जागरूकता आएगी। यदि हम सभी पौधरोपण को अपनी संस्कृति और रोजमर्रा के जीवन में शामिल करलें तो हम पर्यावरण प्रदूषण की समस्या से अवश्य छुटकारा पा सकेंगे।

हिसार। पौधरोपण करते हुए कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

पौधरोपण पश्चात करेंगे देखभाल:

इस मौके पर कृषि महाविद्यालय के डीन डॉ. एस.के. पाहुजा ने अमलतास के औषधीय महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि महाविद्यालय परिसर में 200 पौधे रोपित किए गए। भविष्य में भी पौधारोपण कार्यक्रम जारी रहेगा और विभिन्न चरणों में करीब 1500 पौधे रोपे जाएंगे। उन्होंने बताया कि आज के कार्यक्रम में जिन विद्यार्थियों ने पौधारोपण किया है उन्हें इन पौधों की देखरेख की पूरी जिम्मेवारी सौंपी गई है और टैग जारी किया गया है जिस पर विद्यार्थी का नाम व रोल नम्बर दिए गए हैं। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा व अन्यों ने भी पौधे रोपित किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	15.7.22	4	4-6

प्रदूषण रोकने के लिए करें पौधरोपण : कांबोज

एचएयू में कुलपति ने कृषि महाविद्यालय में वन महोत्सव का शुभारंभ, 200 पौधे लगाए

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। ग्लोबल वार्मिंग तथा वायु प्रदूषण की समस्याओं से निजात पाने के लिए वृक्षारोपण अति आवश्यक है। वृक्षारोपण से न केवल इन समस्याओं का समाधान होगा अपितु इससे पशुओं के लिए चारा, इमारतों व ईंधन के लिए लकड़ी के साथ-साथ भूमि की गुणवत्ता सुधारने में भी मदद मिलेगी।

यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने बतौर मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में वन महोत्सव का शुभारंभ करते हुए कही। उन्होंने कहा वृक्षारोपण करते समय हमें भवनों व संस्थानों के लैंडस्केप के अनुकूल देशज प्रजातियों के बहु-उद्देशीय पौधों का चयन करना चाहिए तथा महत्वपूर्ण अवसरों पर अवश्य पौधारोपण करना चाहिए। पौधारोपण को अपनी संस्कृति और रोजमर्रा के जीवन में शामिल कर लें तो हम पर्यावरण प्रदूषण की समस्या से अवश्य छुटकारा पा सकेंगे। पौधारोपण में स्थानीय पौधों को महत्व दें।

एचएयू में पौधरोपण करते कुलपति प्रो.बीआर कांबोज व अन्य। संवाद

महाविद्यालय के लॉन में अमलतास का पौधा रोपित किया। कृषि महाविद्यालय के डीन डॉ. एसके पाहुजा ने अमलतास के औषधीय महत्व पर प्रकाश डाला। परिसर में 200 पौधें रोपित किए गए। जिन विद्यार्थियों ने पौधारोपण किया है उन्हें इन पौधों की देखरेख की पूरी जिम्मेवारी सौंपी गई है और टैग जारी किया गया है। जिस पर विद्यार्थी का नाम व रोल नम्बर दिए गए हैं। इन पौधों की बढ़वार के आधार पर विद्यार्थियों का मूल्यांकन किया जाएगा।

इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा सहित विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाताओं, निदेशकों, अधिकारियों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने पौधें रोपित किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	14.7.22	2	1-2

वनमहोत्सव • हकृवि के कृषि कॉलेज में बोले वीसी

ग्लोबल वार्मिंग व वायु प्रदूषण से निजात पाने के लिए पौधरोपण करें

सिटी रिपोर्टर • ग्लोबल वार्मिंग तथा वायु प्रदूषण की समस्याओं से निजात पाने के लिए पौधरोपण अति आवश्यक है। पौधरोपण से न केवल इन समस्याओं का समाधान होगा अपितु इससे पशुओं के लिए चारा, इमारतों व ईंधन के लिए लकड़ी के साथ-साथ भूमि की गुणवत्ता सुधारने में भी मदद मिलेगी।

यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वीसी प्रो. बीआर काम्बोज ने बतौर मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में वनमहोत्सव का शुभारंभ करते हुए कही। इससे लोगों में वृक्षों के प्रति जागरूकता आएगी। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा सहित विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाताओं, निदेशकों, अधिकारियों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों ने पौधे रोपित किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	14.7.22	5	4-6

ग्लोबल वार्मिंग व वायु प्रदूषण से निजात पाने हेतु वृक्षारोपण अत्यावश्यक : प्रो. काम्बोज

हिसार, 13 जुलाई (विरेंद्र वर्मा) : ग्लोबल वार्मिंग तथा वायु प्रदूषण की समस्याओं से निजात पाने के लिए वृक्षारोपण अति आवश्यक है। वृक्षारोपण से न केवल इन समस्याओं का समाधान होगा अपितु इससे पशुओं के लिए चारा, इमारतों व ईंधन के लिए लकड़ी के साथ-साथ भूमि की गुणवत्ता सुधारने में भी मदद मिलेगी। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बतौर मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में वनमहोत्सव का शुभारंभ करते हुए कही। उन्होंने कहा वृक्षारोपण करते समय हमें भवनों व संस्थानों के लैंडस्केप के अनुकूल देशज प्रजातियों के बहु-उद्देशीय पौधों का चयन करना चाहिए तथा महत्वपूर्ण अवसरों पर अवश्य पौधारोपण करना चाहिए। इससे लोगों में वृक्षों के प्रति जागरुकता आएगी।

वृक्षारोपण करते हुए कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

यदि हम सभी वृक्षारोपण को अपनी संस्कृति और रोजमर्रा के जीवन में शामिल करलें तो हम पर्यावरण प्रदूषण की समस्या से अवश्य छुटकारा पा सकेंगे। उन्होंने पौधारोपण में पौधों की विदेशी प्रजातियों के स्थान पर स्थानीय पौधों को महत्व दिए जाने पर बल दिया और कहा कि जैव विविधिता संवर्धन के माध्यम से पारिस्थितकी को बहाल किया जाना चाहिए। उन्होंने इस अवसर पर उपरोक्त महाविद्यालय के लॉन में अमलतास का पौधा रोपित किया। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय की लैंडस्केप इकाई के सहयोग से किया गया था।

विद्यार्थियों को टैग दिया गया : पौधारोपण पश्चात करेंगे देखभाल

इस मौके पर कृषि महाविद्यालय के डीन डॉ. एस.के. पाहुजा ने अमलतास के औषधीय महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि महाविद्यालय परिसर में 200 पौधें रोपित किए गए। उन्होंने बताया कि आज के कार्यक्रम में जिन विद्यार्थियों ने पौधारोपण किया है उन्हें इन पौधों की देखरेख की पूरी जिम्मेवारी सौंपी गई है और टैग जारी किया गया है जिस पर विद्यार्थी का नाम व रोल नम्बर दिए गए हैं। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा सहित विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाताओं, निदेशकों, अधिकारियों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों ने पौधे रोपित किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	14.7.22	8	1-2

'प्रदूषण से निजात को पौधरोपण आवश्यक'

हिसार (निस) : ग्लोबल वार्मिंग तथा वायु प्रदूषण की समस्याओं से निजात पाने के लिए पौधरोपण अति आवश्यक है। पौधरोपण से न केवल इन समस्याओं का समाधान होगा अपितु इससे पशुओं के लिए चारा, इमारतों व ईंधन के लिए लकड़ी के साथ-साथ भूमि की गुणवत्ता सुधारने में भी मदद मिलेगी। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कृषि महाविद्यालय में वनमहोत्सव का शुभारंभ करते हुए कही। उन्होंने कहा कि पौधरोपण करते समय हमें भवनों व संस्थानों के लैंडस्केप के अनुकूल देशज प्रजातियों के बहूद्देशीय पौधों का चयन करना चाहिए तथा महत्वपूर्ण अवसरों पर अवश्य पौधरोपण करना चाहिए। इस मौके पर कृषि महाविद्यालय के डीन डॉ. एसके पाहुजा ने अमलतास के औषधीय महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि महाविद्यालय परिसर में 200 पौधे रोपित किए गए हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक हिसार	14.07.2022	------	------

ग्लोबल वार्मिंग तथा वायु प्रदूषण से निज़ात पाने के लिए वृक्षारोपण अति आवश्यक: कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार : ग्लोबल वार्मिंग तथा वायु प्रदूषण की समस्याओं से निज़ात पाने के लिए वृक्षारोपण अति आवश्यक है। वृक्षारोपण से न केवल इन समस्याओं का समाधान होगा अपितु इससे पशुओं के लिए चारा, इमारतों व ईंधन के लिए लकड़ी के साथ-साथ भूमि की गुणवत्ता सुधारने में भी मदद मिलेगी। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बतौर मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में वनमहोत्सव का शुभारंभ करते हुए कही। उन्होंने कहा वृक्षारोपण करते समय हमें भवनों व संस्थानों के लैंडस्केप के अनुकूल देशज प्रजातियों के बहु-

उद्देशीय पौधों का चयन करना चाहिए तथा महत्वपूर्ण अवसरों पर अवश्य पौधारोपण करना चाहिए। इससे लोगों में वृक्षों के प्रति जागरुकता आएगी। यदि हम सभी वृक्षारोपण को अपनी संस्कृति और रोजमर्रा के जीवन में शामिल करलें तो हम पर्यावरण प्रदूषण की समस्या से अवश्य छुटकारा पा सकेंगे। उन्होंने पौधारोपण में पौधों की विदेशी प्रजातियों के स्थान पर स्थानीय पौधों को महत्व दिए जाने पर बल दिया और कहा कि जैव विविधिता संवर्धन के माध्यम से पारिस्थितकी को बहाल किया जाना चाहिए। उन्होंने इस अवसर पर उपरोक्त महाविद्यालय के लॉन में अमलतास का पौधा रोपित किया। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय की लैंडस्केप इकाई के सहयोग से किया गया था। इस मौके पर कृषि महाविद्यालय के डीन डॉ. एस.के. पाहुजा ने अमलतास के औषधीय महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि महाविद्यालय परिसर में 200 पौधें रोपित किए गए। भविष्य में भी पौधारोपण कार्यक्रम जारी रहेगा और विभिन्न चरणों में करीब 1500 पौधें रोपे जाएंगे। उन्होंने बताया कि आज के कार्यक्रम में जिन विद्यार्थियों ने पौधारोपण किया है उन्हे इन पौधों की देखरेख की पूरी जिम्मेवारी सौंपी गई है।

विद्यार्थियों को टैग दिया गया: पौधारोपण पश्चात करेंगे देखभाल

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	13.07.2022	------	------

ग्लोबल वार्मिंग तथा वायु प्रदूषण से निजात पाने के लिए पौधरोपण जरूरी : कुलपति

चिराग टाइम्स न्यूज

हिसार। ग्लोबल वार्मिंग तथा वायु प्रदूषण की समस्याओं से निजात पाने के लिए वृक्षारोपण अति आवश्यक है। वृक्षारोपण से न केवल इन समस्याओं का समाधान होगा अपितु इससे पशुओं के लिए चारा, इमारतों व ईंधन के लिए लकड़ी के साथ-साथ भूमि की गुणवत्ता सुधारने में भी मदद मिलेगी।

यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बतौर मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में वनमहोत्सव का शुभारंभ करते हुए कही। उन्होंने कहा वृक्षारोपण करते समय हमें भवनों व संस्थानों के लैंडस्केप के अनुकूल देशज प्रजातियों के बहु-उद्देशीय पौधों का चयन करना चाहिए तथा महत्वपूर्ण अवसरों पर अवश्य पौधारोपण करना चाहिए। इससे लोगों में वृक्षों के प्रति जागरूकता आएगी। यदि हम सभी वृक्षारोपण को अपनी संस्कृति और रोजमर्रा के जीवन में शामिल करलें तो हम पर्यावरण प्रदूषण की समस्या से अवश्य छुटकारा पा सकेंगे। उन्होंने पौधारोपण में पौधों की विदेशी प्रजातियों के स्थान पर स्थानीय पौधों को महत्व दिए जाने पर बल दिया और कहा कि जैव विविधिता संवर्धन के माध्यम से पारिस्थितकी को बहाल किया जाना चाहिए। उन्होंने इस अवसर पर उपरोक्त महाविद्यालय के लॉन में अमलतास का पौधा रोपित किया। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय की लैंडस्केप इकाई के सहयोग से किया गया था।

पौधारोपण पश्चात करेंगे देखभाल : इस मौके पर कृषि महाविद्यालय के डीन डॉ. एस.के. पाहुजा ने अमलतास के औषधीय महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि महाविद्यालय परिसर में 200 पौधें रोपित किए गए। भविष्य में भी पौधारोपण कार्यक्रम जारी रहेगा और विभिन्न चरणों में करीब 1500 पौधें रोपे जाएंगे। उन्होंने बताया कि आज के कार्यक्रम में जिन विद्यार्थियों ने पौधारोपण किया है उन्हे इन पौधों की देखरेख की पूरी जिम्मेवारी सौंपी गई है और टैग जारी किया गया है जिस पर विद्यार्थी का नाम व रोल नम्बर दिए गए हैं। समय-समय पर इन पौधों की बढ़वार के आधार पर विद्यार्थियों का मूल्यांकन किया जाएगा। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा सहित विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाताओं, निदेशकों, अधिकारियों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों ने पौधे रोपित किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	13.07.2022	------	------

पौधारोपण को रोजमर्रा के जीवन में शामिल करें : कुलपति

हिसार/ 13 जुलाई/ रिपोर्टर
ग्लोबल वार्मिंग तथा वायु प्रदूषण की समस्याओं से निजात पाने के लिए पौधारोपण अति आवश्यक है। पौधारोपण से न केवल इन समस्याओं का समाधान होगा अपितु इससे पशुओं के लिए चारा, इमारतों व ईंधन के लिए लकड़ी के साथ-साथ भूमि की गुणवत्ता सुधारने में भी मदद मिलेगी। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बतौर मुख्यातिथि कृषि महाविद्यालय में वनमहोत्सव का शुभारंभ करते हुए कही। उन्होंने कहा पौधारोपण करते समय हमें भवनों व संस्थानों के लैंडस्केप के अनुकूल देशज प्रजातियों के बहु-उद्देशीय पौधों का चयन करना चाहिए तथा महत्वपूर्ण अवसरों पर अवश्य पौधारोपण करना चाहिए। इससे लोगों में वृक्षों के प्रति जागरुकता आएगी। यदि हम सभी पौधारोपण को अपनी संस्कृति और रोजमर्रा के जीवन में शामिल कर लें तो हम पर्यावरण प्रदूषण की समस्या से अवश्य छुटकारा पा सकेंगे। उन्होंने पौधारोपण में पौधों की विदेशी प्रजातियों के स्थान पर स्थानीय पौधों को महत्व दिए जाने पर बल दिया और कहा कि जैव विविधिता संवर्धन के माध्यम से पारिस्थितिक को बहाल किया जाना चाहिए। उन्होंने इस अवसर पर अमलतास का पौधा रोपित किया। कृषि महाविद्यालय के डीन डॉ. एसके पाहुजा ने अमलतास के औषधीय महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि महाविद्यालय परिसर में 200 पौधें रोपित किए गए। विभिन्न चरणों में करीब 1500 पौधे रोपे जाएंगे। उन्होंने बताया कि आज के कार्यक्रम में जिन विद्यार्थियों ने पौधारोपण किया है उन्हें इन पौधों की देखरेख की पूरी जिम्मेवारी सौंपी गई हैं और टैग जारी किया गया है जिस पर विद्यार्थी का नाम व रोल नम्बर दिए गए हैं। समय-समय पर इन पौधों की बढ़वार के आधार पर विद्यार्थियों का मूल्यांकन किया जाएगा। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा सहित अधिष्ठाताओं, निदेशकों, अधिकारियों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों ने पौधे रोपित किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिन्दुस्थान समाचार	12.07.2022	------	------

एचएयू की छात्रा का अमेरिका में एमएस के लिए चयन

12 Jul 2022 16:05:18

80 लाख की छात्रवृत्ति के साथ मिलेगी ट्यूशन फीस

रहने का खर्च व छात्र स्वास्थ्य बीमा का भी मिलेगा लाभ

हिसार, 12 जुलाई (हि.स.)। हिसार स्थित हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की छात्रा सुरभि को अमेरिका की शीर्ष यूनिवर्सिटियों में से एक यूटा स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए में दो वर्षीय (मास्टर ऑफ साइंस) एमएस डिग्री कार्यक्रम के लिए चुना गया है। वह वहां डॉ. जेनिफर मैक एडम्स के मार्गदर्शन में खाद्य विज्ञान विषय में एमएस करेगी जिसके दौरान उन्हें लगभग 80 लाख रुपए की छात्रवृत्ति के साथ-साथ ट्यूशन फीस, रहने का खर्च व छात्र स्वास्थ्य बीमा का लाभ भी मिलेगा।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने सुरभि की इस उपलब्धि के लिए प्रशंसा की और उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। कुलपति ने मंगलवार को कहा कि सुरभि का अमेरिका के शीर्ष विश्वविद्यालय में चयन चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अपनाए जा रहे उच्च शैक्षणिक व अनुसंधान मानकों का प्रतीक है। विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास व अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर पर पूरा ध्यान दे रहा है। उन्होंने कहा कि हाल ही के वर्षों में विश्वविद्यालय के अनेक विद्यार्थी विश्व के अनेक प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों में उच्च शैक्षणिक डिग्री हासिल करने के लिए गए हैं। उन्होंने कहा एचएयू विश्व स्तर के विश्वविद्यालयों में शुमार है क्योंकि न केवल यहां के विद्यार्थी विदेशों में पढ़ाई के लिए जाते हैं बल्कि विदेशी छात्र भी पढ़ाई के लिए आते हैं। उन्होंने कहा गत तीन माह में उच्च शिक्षा के लिए विदेशी विश्वविद्यालयों में जाने वालों में सुरभि सातवीं छात्रा है।

सुरभि ने इस उपलब्धि का श्रेय अपनी माता श्रीमति आशा और पिता पुलिस उपाधीक्षक कृष्ण कुमार के संस्कारों व फैल्लोशिप के साथ-साथ हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में शिक्षा की उपलब्ध सुविधाओं और विश्वविद्यालय के शिक्षकों की ओर से मिले मार्गदर्शन को दिया।

हिन्दुस्थान समाचार/राजेश्वर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	14.7.22	6	1-5

निरीक्षण • एचएयू ने 15 गांवों में कराया सर्वे, सफेद मक्खी व गुलाबी सुंडी का प्रभाव दिखा

बरसाती मौसम में कपास में बढ़ता है सफेद मक्खी व रस चूसक कीटों का खतरा, सावधानी बरतें किसान

जगदीर शर्मा | सिरसा

कपास में बारिश के सीजन में रस चूसक कीटों व कई बीमारियों का असर दिखने लगा है। कई जगह सफेद मक्खी और गुलाबी सुंडी के प्रकोप की आशंका है। ऐसे में किसानों की थोड़ी-सी लापरवाही फसल उत्पादन पर विपरीत असर डाल सकती है। कपास की फसल में अच्छा मुनाफा पाने के लिए पौधों की देखभाल व रोग नियंत्रण बेहद जरूरी है।

इस बार कपास की उत्पादकता में कमी न आए, इसके मद्देनजर एचएयू, हिसार ने केवीके व सीआरएस (कॉटन रिसर्च सेंटर) सिरसा की टीम से 15 गांवों के खेतों का सर्वे करवाया है। इसमें वैज्ञानिकों की टीमें सिरसा के गांव मेहनाखेड़ा, खारियां, खाई शेरगढ़, भागसर, चुकांवाली, ओढ़ां, कालांवाली, तारूआना सहित गांवों के खेतों का दौरा किया। गांव तारूआना के खेतों में उन क्षेत्रों में गुलाबी सुंडी का असर दिखा, जहां आसपास बनछंटियां पड़ी थी। विशेषज्ञों ने किसानों को नियंत्रण बारे जानकारी दी।

पारा 25 से 30° व नमी 70% होने से बढ़ता है सफेद मक्खी का प्रकोप

सिरसा | गांव मेहनाखेड़ा के खेतों में नरमा की फसलों में सफेद मक्खी के प्रकोप का जायजा लेती एचएयू के वैज्ञानिकों की टीम।

कृषि वैज्ञानिक डॉ. देवेंद्र जांखड़ ने बताया कि सफेद मक्खी पत्तों से रस चूसकर पौधे की बढ़वार, गुणवत्ता व उपज कम करती है। इसका प्रकोप दिन का तापमान 25 से 30 डिग्री व हवा में नमी 70 से 75% होने से बढ़ता है। जुलाई, अगस्त व सितंबर में सफेद मक्खी का नुकसान प्रभावित क्षेत्रों में दिखने लगता है। पत्तों के निचली सतह चमकते हुए या तेलिया व चिपचिपे दिखाई दें तो कीटनाशक का प्रयोग करें। इसके आर्थिक कागार (6 प्रौढ़ प्रति पत्ता) पर पहुंचने पर इसकी रोकथाम के लिए 300 ईसी या ऑक्सीमेमेटान मिथाइल 25 (मेटासिस्टाक्स) व एक लीटर नीम आधारित का बार-बार से 250 लीटर पानी में घोलकर प्रति एकड़ छिड़काव करें।

फेरोमोन ट्रैप लगा जानें कीट हमला हुआ है या नहीं: डॉ. चित्रलेखा

सीआरएस से सहायक कीट वैज्ञानिक डॉ. चित्रलेखा ने बताया कि फेरोमोन ट्रैप से कीट हमले का पता लगाया जा सकता है। इसमें मादा कीट की गंध को एक कैप्सूल में रखा जाता है, जिससे नर कीट आकर्षित होकर जाल में फंस जाते हैं। 1 एकड़ में 5-7 फेरोमोन ट्रैप लगाने चाहिए। अगर एक फेरोमोन ट्रैप में दिन में 6-8 कीट नजर आएं तो समझ लीजिए कि हमला हो चुका है और किसानों को रासायनिक कीटनाशकों का इस्तेमाल करना चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	14.7.22	6	1-6

एग्रो टिप्स • हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक प्रदेश के किसानों को दे रहे मक्का की खेती के संबंध में टिप्स

मक्का की अधिक पैदावार के लिए हाइब्रिड किस्में अधिक उपयुक्त, बुवाई से पहले बीज का उपचार जरूरी, जुलाई में कर लें उपचार, मिलेगा अच्छा दाना

महबूब अली | हिसार

जुलाई माह में मक्का की हाइब्रिड किस्मों की बुवाई कर किसान अधिक पैदावार पा सकते हैं। हिसार स्थित एचएयू के कुलपति प्रोफेसर बीआर कांबोज और अन्य वैज्ञानिक प्रदेश के किसानों को हाइब्रिड किस्म सुधा एकल और एचक्यूपीएम 1, एचक्यूपीएम 4 आदि की बुवाई करने के सम्बंध में टिप्स दे रहे हैं।

प्रो. कांबोज ने बताया कि बुवाई से पहले 4-5 जुताई कर दो बार सुहागा लगाएं, ताकि खेत में ढेले न रहें। वहीं, खरपतवार नियंत्रण के लिए 400-600 ग्राम एट्राजिन/एकड़ 200-250 लीटर पानी में घोलकर बिजाई के तुरंत बाद छिड़काव करें।

मक्का की खेती का फाइल फोटो।

4-5 जुताई कर दो बार सुहागा लगाएं, ताकि मिट्टी बारीक हो जाए

- **बीज का यूं करें चुनाव** सामान्य मक्का के लंबी व मध्यम अवधि की सिफारिश सुधा एकल संकर किस्में व क्यूपीएम के एचक्यूपीएम 1, एचक्यूपीएम 4 और एचक्यूपीएम 5 हाइब्रिड का उपयोग करें।
- **बिजाई का समयः** अच्छे दाने के लिए मक्का की बिजाई 20 जुलाई तक पूरी कर लें।
- **बीज की मात्राः** एक एकड़ खेत के लिए 8 किलोग्राम बीज की आवश्यकता होती है।
- **बीज का उपचारः** मक्का के लिए फॉल आर्मीवर्म सर्वाधिक हानिकारक कीट है। इससे बचाने के लिए सायअंतरानीलिप्रोले 19.8 थायमेथोक्सम 19.8 कीटनाशी द्वारा 6 मिली/किलो बीज की दर से शाम को बीजोपचार करें व सुबह बिजाई करें।
- **खेत का चयन व तैयारी** मक्का के लिए रेतीली दोमट मिट्टी व अच्छे जल निकासी वाले खेत का चयन करें। मिट्टी भुरभुरी कर बिजाई करें। बिजाई ऊंचे इलाकों में करें।
- **बिजाई का तरीकाः** पूर्व-पश्चिम दिशा में मेड बना, दक्षिण में 4-6 सेमी गहरी बिजाई करें। बाद में आधा खुड़ की ऊंचाई तक पानी लगाने से जमाव जल्दी होता है।
- **खाद व उर्वरकः** बुवाई से पहले गोबर खाद 60 क्विंटल/एकड़ की दर से डालें। बुवाई के समय 50 किलो डीएपी 40 एमओपी व 37 किलो यूरिया का प्रयोग करें।